प्रकृति में भगवान श्रीगणेश की झलकियाँ

परिचय : मकारियो सरसोसो

सम्पूर्ण भारतवर्ष में व सिद्धयोग पथ पर, पूजनीय गजानन भगवान श्रीगणेश को शुभारम्भों के देवता व विघ्नहर्ता के रूप में जाना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान श्रीगणेश के आशीर्वाद से हम किसी भी कठिनाई को पार कर सकते हैं और एक नए सिरे से अपने जीवन की शुरुआत कर सकते हैं—बार-बार कर सकते हैं। नवीनता व विस्मय के इसी भाव को बनाए रखते हुए, विश्वभर में सिद्धयोगी अपने आस-पास के प्राकृतिक जगत में भगवान श्रीगणेश के चिह्नों को खोजते रहते हैं।

"Forms of Lord Ganesh" यानी 'भगवान श्रीगणेश के रूप' नामक फ़ोटो गैलरी के इस पृष्ठ पर वे छवियाँ दिखाई गई हैं जो जगत में प्राकृतिक आकृतियों के रूप में इन प्रिय देवता की प्रतीक हैं—किसी पत्थर पर या चट्टान की सतह पर उभरी आकृतियाँ, पर्वत की ढलान पर बने आकार, बड़े-बड़े बादलों के सतत बदलते रहने वाले रूप।

एक दृश्य कथाकार [छवियों व दृश्यों का उपयोग कर कहानी सुनाने में निपुण व्यक्ति] व प्रकृति का संरक्षक होने के नाते मुझे ऐसा लगता है कि प्राकृतिक जगत में भगवान के चिह्नों को ढूँढ़ना बहुत ही प्रेरणादायी अनुभव हो सकता है। यदि हम वास्तव में प्रकृति को निहारें तो यह हमें विस्मयाभिभूत कर देती है। अपने दैनिक जीवन में हम निरन्तर दैवी रूप से घटित होने वाली गतिविधियों के चिह्नों से, संकेतों से घिरे होते हैं, सबसे ज़्यादा भागदौड़ वाले शहरों में भी, जहाँ आसमान में बादल उमड़ते रहते हैं, ट्रैफ़िक के ऊपर पक्षी स्वतन्त्रता से उड़ते हैं और सीमेन्ट की दरारों के बीच में से रास्ता खोजकर नन्हें-नन्हें पौधे अंकुरित हो जाते हैं। ग्रामीण इलाकों में जहाँ नदी की तेज़ी-से बहती हुई धारा, प्राचीन तलहटी को गहराई तक छेद देती है और बहती पवन पेड़ों में अनगिनत रूपाकारों की रचना करती है, वहाँ अपने आस-पास के जगत में दिव्यता के दर्शन करना तो और भी सरल होता है।

अपने बाहरी वातावरण में भगवान के चिह्नों या संकेतों को प्रयत्नपूर्वक देखने से, हम उन रूपाकारों को एक नए नज़रिए से देखना सीखते हैं जिन्हें हम आम तौर पर शायद नज़रअन्दाज़ कर देते हैं। साथ ही यह प्रयास इस बात में हमारी मदद करता है कि हम प्राकृतिक जगत के प्रति सम्मान भरा दृष्टिकोण रखें। मेरे लिए यह एक शक्तिशाली अभ्यास रहा है और अपनी साधना-यात्रा में एक आशीर्वाद भी। अपने अन्दर भगवान के प्रति बढ़ती हुई जागरूकता के माध्यम से मैं अपने इस पृथ्वी ग्रह के वैभव को और भी अधिक अनमोल मानने लगा हूँ, इसे सँजोने लगा हूँ। हर वह क्षण जिसमें

हम अपने आप को प्रकृति के नवस्फूर्तिदायी सान्निध्य में डुबोते हैं, हमें भगवान तक पहुँचा सकता है, हमें संसार में व्याप्त दिव्यता का स्मरण करा सकता है और उसके दर्शन करा सकता है।

मेरी सलाह है कि आप इन तस्वीरों को ग़ौर से देखें—विश्वभर के सिद्धयोगियों द्वारा भेजी गई छवियाँ जो प्रकृति में भगवान श्रीगणेश के स्वरूप को दर्शाती हैं—और फिर स्वयं प्रकृति के साथ एकाकार हो जाएँ। ये तस्वीरें आपके लिए भी भगवान के इस आनन्दी स्वरूप की याद दिलाने वाले चिह्नों या प्रतीकों को खोजने की प्रेरणा बनें। चाहे आपको भगवान के लम्बोदर रूप की आकृति मिले, उनके गजदन्त का घुमाव दिखे या उनके गजानन, गजमुख स्वरूप का आकार दिखाई दे, ये तस्वीरें आपको एक ऐसी जगह ले जाएँ जो आपको विस्मय और सराहना के भावों से भर दे।

प्रकृति में इन प्रिय देव के चिह्नों को खोजते रहने से, हो सकता है कि आप अपने दैनिक जीवन में भगवान श्रीगणेश की दिव्य उपस्थिति के प्रति और अधिक जागरूक होते जाएँ। अपनी इस जागरूकता द्वारा अपने आप को उन अनेक आशीषों से जुड़ने दें जो आपके हर दिन के हरेक क्षण में व्याप्त हैं।

©२०२१ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।